Email : rhspgcl@gmail.com

website : rhsmpgcollege.org

मुद्रक-विद्यार्थी पुस्तक भण्डार, सिंगरामऊ-7275533821

राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय

सम्बद्ध : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

NAAC द्वारा 'B' ग्रेड प्राप्त

प्रवेश विवरणिका

सत्र-20........20.......

सिंगरामऊ, जौनपुर (उ0प्र0)

महाविद्यालय के संस्थापक

स्व0 राजर्षि कुंवर श्रीपाल सिंह जी

द्ध29 जुलाई 1918–18 दिसम्बर 2008ऋ

हमारे प्रबन्धक

कुँवर जय सिंह

प्राचार्य की कलम से.......

सन् 1965 में स्थापित राष्ट्रीय राजमार्ग-731 पर जौनपुर, प्रतापगढ़ व सुल्तानपुर मुख्यालयों के मध्य ग्रामीणांचल में अवस्थित राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय राजर्षि कुँवर श्रीपाल सिंह के सपनों को निरन्तर साकार रूप दे रहा है। प्रारम्भ से स्नातक स्तर पर कला व विज्ञान विषयों का शिक्षण प्रदान करते हुए वर्तमान में शोध केन्द्र के रूप में प्रतिष्ठित है। इसके विकास क्रम से स्पष्ट है कि 1972 से बी0एड0, 1992 से स्नातकोत्तर कक्षाएं हिन्दी व भूगोल विषय में एवं 1995 से एम. एड. स्थायी कक्षाएं संचालित हो रही हैं। शुरूआत की सम्बद्धता गोरखपुर विश्वविद्यालय से थी परन्तु 1987 से महाविद्यालय वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर से सम्बद्ध है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित एक मात्र अनुदानित एम0एड0 संस्था का गौरव महाविद्यालय को प्राप्त है। स्ववित्तपोषी योजनानन्तर्गत वर्ष 2008 से स्नातकोत्तर कक्षाएं राजनीति शास्त्र व समाजशास्त्र विषय, वर्ष 2016 से स्नातकोत्तर कक्षाएं प्राणि विज्ञान तथा रसायन विज्ञान में वर्ष 2018 से वाणिज्य संकाय में स्नातक कक्षाएं चल रही हैं। स्नातक स्तर पर 2019 से गृहविज्ञान व शारीरिक शिक्षा विषय एवं स्नातकोत्तर स्तर पर वनस्पति विज्ञान और भौतिक विज्ञान विषय भी संचालित है। महाविद्यालय 1998 से शोध केन्द्र के रूप में हिन्दी, भूगोल व अध्यापक शिक्षा विषय में प्रतिष्ठित है जबकि वर्तमान में सभी अनुदानित विषयों में शोधकार्य चल रहा है। वर्ष 2003 से महाविद्यालय उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0, इलाहाबाद का अध्ययन व परामर्श केन्द्र है। NCC, NSS, SCOUT / GUIDE, तथा SPORTS सम्बंधी सह पाठ्यगामी क्रियाएं भी सक्रिय रूप से संचालित हैं। सांस्कृतिक क्रियाकलाप, व्याख्यान मालाएं, सेमिनार्स, सिम्पोजियम, क्विज प्रतियोगिता व पोस्टर प्रतियोगितायें भी निरन्तर चलती रहती है। हमारे विद्वान प्राध्यापकों द्वारा शिक्षण व शोध कार्य उच्च कोटि का किया जाता है, जिससे प्रेरित होकर उन्हें माइनर व मेजर प्रोजेक्ट CST, DST, ICSSR और UGC द्वारा मिलता रहा है । महाविद्यालय वर्ष 2015 में राष्ट्रीय मूल्यांकन व प्रत्यायन परिषद (नैक) बैंगलूरू द्वारा 'B' ग्रेड प्राप्त है और दूसरे चक्र के लिए महाविद्यालय सभी तैयारियाँ पूरी करके पीयर टीम आने की प्रतीक्षा कर रहा है।महाविद्यालय ऊर्जावान प्रबन्धक के निर्देशन व प्रबन्धन में उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। सत्र 2022-23 से स्नातक स्तर पर शारीरिक शिक्षा, वाणिज्य और गृह विज्ञान स्नातकोत्तर स्तर पर भौतिक विज्ञान तथा बनस्पति विज्ञान विषयों में स्थायी सम्बद्धता प्राप्त हुई। सत्र 2023-24 से गृह विज्ञान विषय में स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारम्भ की गयी।

2023 से गृह विज्ञान से स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारम्भ की गयीं। बी0 एस0 सी0 हेल्थ केयर मैनेजमेन्ट की कक्षाएं 2024 से संचालित करने का प्रस्ताव विश्वविद्यालय को प्रेषित किया जा चुका है। महाविद्यालय में विगत 2 वर्षों में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ हासिल की हैं। महाविद्यालय में प्रवेश, परिचय पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, स्थानातरण प्रमाण पत्र, शुल्क, तथा पुस्तकालय को डिजिटल किया गया साथ ही खेल के मैदान का समतलीकरण और 30 KVA का सोलर पैनल लगाया गया। प्रयोगात्मक दृष्टि से उपयोगी बाटेनिकल गार्डेन विकसित किया गया। पूर्ण सुसज्जित शौचालय निर्मित कराया गया। आधारभूत आवश्यकताओं में अभूतपूर्व वृद्धि माननीय प्रबन्धक जी की सहृदयता तथा दूर दृष्टि का परिणाम है।महाविद्यालय परिवार उनके प्रति हृदयर्स आभारी है।

महाविद्यालय परिवार पूरे मनोयोग से NEP-20 के अनुसार क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक उन्नयन हेतु संकल्पित है।

प्रो0 अरूण कुमार सिंह
प्राचार्य

समितियाँ

क्र.स.	नाम प्राध्यापक	पदनाम	मोबाइल नं0
1.	प्रो0 अरूण कुमार सिंह	प्राचार्य	8423112511
2.	प्रो0 सुधीर कुमार सिंह	संयोजक महाविद्यालय प्रवेश समिति	7985201250
3.	प्रो0 इन्दु प्रकाश सिंह	संयोजक भाषा संकाय	9935236213
4.	डा0 बृजेश प्रताप सिंह	संयोजक विज्ञान संकाय	9451157180
5.	प्रो0 जय कुमार मिश्र	संयोजक मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय	8840481812
6.	डा0 अंजनी कुमार मिश्र	संयोजक शिक्षा संकाय	9450085470
7.	डा0 राजेश कुमार सिंह	मुख्य अनुशास्ता	8299655695

➡ शिकायत / सुझाव (फीडबैक) के लिए वेबसाइट www.rhsmpgcollege.org के मुख्य पृष्ठ पर दिए गए पोर्टल का प्रयोग करें।

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार

नयी शिक्षा नीति 2020 सत्र 2021-22 से लागू हो चुकी है। सेमेस्टर पद्धति तथा च्वायस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) के द्वारा सतत् मूल्यांकन की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। अब स्नातक 4 वर्ष तथा 8 समेस्टर का होगा। प्रत्येक छात्र को 3 मेजर (मुख्य) और एक माइनर (लघु) तथा 2 वैकल्पिक लघु (इलेक्ट्रिव माइनर) पढ़ना होगा। इलेक्टिव माइनर में एक पाठ्य सहगामी (को-करिकुलर) तथा एक कौशल विकास से सम्बन्धित होगा। पाठ्य सहगामी लगातार 6 सेमेस्टर में पढ़ना होगा तथा कौशल विकास का पाठ्यक्रम 4 सेमेस्टर में पढ़ना होगा। स्नातक एक वर्ष पूरा करने पर सर्टिफिकेट, 2 वर्ष पूरा करने पर डिप्लोमा, तीन वर्ष पूरा करने पर डिग्री तथा चार वर्ष पूरा करने पर डिग्री विथ रिसर्च (शोध सहित उपाधि) प्रदान किया जायेगा। प्रत्येक विषय का सतत् मूल्यांकन होगा। 75 अंक विश्वविद्यालय द्वारा करायी गयी परीक्षा से प्राप्त होगा जबकि 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (मध्यावधि परीक्षा, असाइनमेन्ट तथा उपस्थिति) से प्राप्त होगा। कौशल विकास की वार्षिक परीक्षा भी महाविद्यालय द्वारा सम्पन्न करायी जाएगी।

1. प्रत्येक छात्र को प्रत्येक वर्ष (2 वर्षों तक) किसी भी सेमेस्टर (प्रथम अथवा द्वितीय) में एक विषय दूसरे संकाय से अनिवार्य रूप से पढ़ना होगा।
2. विज्ञान संकाय के स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के इच्छुक छात्र/छात्रायें गणित वर्ग में भौतिक विज्ञान, गणित तथा रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान वर्ग में प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा रसायन विज्ञान ले सकते हैं। विद्यार्थी, जिस संकाय में प्रवेश चाहता है, उस संकाय के दो विषय उसे 'मुख्य विषय के रूप में चयन करने होंगे।
3. सत्र 2022-23 से स्नातकोत्तर कक्षाओं (उनको छोड़कर जिनका पाठ्यक्रम और कार्यक्रम नियामक संस्थाओं जैसे NCTE, AICTE, MCI तथा ICAR आदि) में भी एन. ई. पी. 2020 के अनुसार सेमेस्टर तथा सतत् मूल्यांकन की प्रक्रिया लागू हो गयी है। विस्तृत जानकारी विषय के विभागाध्यक्ष द्वारा इण्डक्शन प्रोग्राम में दी जायेगी। साथ ही साथ वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय की वेबसाइट देखें। प्रत्येक छात्र/ छात्रा को अपने मुख्य संकाय के विषय के अतिरिक्त प्रत्येक वर्ष किसी एक सेमेस्टर में 1 लघु विषय अन्य संकाय से पढ़ना होगा।
4. स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु विद्यार्थियों को समस्त उत्तीर्ण परीक्षाओं के अंक पत्रों /प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित छायाप्रति एवं मूल रूप में स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (केवल अन्य महाविद्यालय से उत्तीर्ण छात्र) आवेदन-पत्र के साथ संलग्न कर सम्बन्धित विषय के विभाग में जमा करना होगा।
5. स्नातक प्रथम वर्ष प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी के अन्तिम उत्तीर्ण वर्ष (इण्टरमीडिएट) के बाद अधिकतम तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु स्नातक उत्तीर्ण वर्ष के बाद अधिकतम अन्तराल विश्वविद्यालय परिनियमावली के अनुरूप मान्य होगा ।
6. बी0एड0 एवं एम0एड0 में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार किया जाता है
7. स्नातक प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष, बी0एड0, एम0एड0 के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पुनः प्रवेश हेतु आवेदन पत्र के साथ पूर्व कक्षा की उत्तीर्ण अंक तालिका की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करके प्रवेश समिति के समक्ष मूल अंक पत्र के साथ उपस्थित होना होगा।
   परीक्षा परिणाम प्राप्त हो जाने के दस दिनों के अन्दर अगली कक्षा में पुनः प्रवेश लेना अनिवार्य है।
8. प्रवेश समिति एवं अनुशासन समिति की सिफारिश पर किसी भी विद्यार्थी का प्रवेश रोकने या रद्द करने का अधिकार महाविद्यालय के पास सुरक्षित होगा।
9. प्रवेश के इच्छुक सभी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को रैगिंग गतिविधियों में शामिल न होने सम्बन्धी शपथ-पत्र फार्म के साथ जमा करना होगा।

महाविद्यालय में अध्ययन के विषय

स्नातक स्तर

➡ **भाषा संकाय** (निर्धारित 666 सीट)

1. हिन्दी
2. अंग्रेजी
3. संस्कृत

➡ **सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय**

1. भूगोल
2. इतिहास
3. अर्थशास्त्र
4. समाज शास्त्र
5. राजनीति शास्त्र
6. शिक्षा शास्त्र
7. गृह विज्ञान
8. शारीरिक शिक्षा

➡ **विज्ञान संकाय** (निर्धारित 260 सीट)

1. भौतिक विज्ञान
2. रसायन विज्ञान
3. जन्तु विज्ञान
4. वनस्पति विज्ञान
5. गणित

➡ **शिक्षा संकाय**

1. बी. एड्. (निर्धारित 50 सीट)

➡ **वाणिज्य संकाय**

1. बी. काम. (निर्धारित 360 सीट)

स्नातकोत्तर स्तर

➡ **भाषा संकाय** — 1. हिन्दी (निर्धारित 80 सीट)

➡ **सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय** — 1. भूगोल (निर्धारित 50 सीट) 2. राजनीति शास्त्र (निर्धारित 80 सीट) 3. समाज शास्त्र (निर्धारित 80 सीट) 4. गृह विज्ञान (निर्धारित 30 सीट)

➡ **विज्ञान संकाय** — 1. प्राणि विज्ञान (निर्धारित 20 सीट) 2. रसायन विज्ञान (निर्धारित 25 सीट) 3. भौतिक विज्ञान (निर्धारित 20 सीट) 4. वनस्पति विज्ञान (निर्धारित 20 सीट)

➡ **शिक्षा संकाय** — 1. एम. एड. (निर्धारित 50 सीट)

पी0 एच0डी0

भाषा संकाय	सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय	विज्ञान संकाय	शिक्षा संकाय
1. हिन्दी	1. भूगोल	1. रसायन विज्ञान	1. अध्यापक शिक्षा
2. अंग्रेजी	2. अर्थशास्त्र	2. वनस्पति विज्ञरन	
3. संस्कृत	3. शिक्षा शास्त्र	3. प्राणि विज्ञान	
	4. इतिहास	4. भौतिक विज्ञान	
	5. राजनीति शास्त्र	5. गणित	
	6.समाज शास्त्र		

विशेष आकर्षण -

ग्रामीण क्षेत्र में अवस्थित होने के कारण स्थान रिक्त रह जाते हैं इसलिए यह उचित होगा कि पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश होगा। ऊंची मेरिट वाले छात्र यदि बाद में आते हैं तो उनके प्रवेश का अधिकार नहीं होगा।स्थान रिक्त रहने पर ही उनके प्रवेश पर विचार होगा।

शुल्क विवरण

स्नातक कला	स्नातक विज्ञान		स्नातकोत्तर		बी. एड्.	एम. एड्.
	बायो	मैथ	हिन्दी	भूगोल		
2945/-	3665/-	3425/-	3675/-	4965/-	5115/-	5215/-
प्रयोगात्मक-रू0 240/विषय						

स्नातक विषय विवरण (सहपाठ्यक्रम और कौशल विकास पाठ्यक्रम)

वर्ष	सेमेस्टर	सहपाठ्यक्रम	कौशल विकास पाठ्यक्रम	एक माइनर अन्य संकाय से
बी.ए. / बी. एस. सी./ बी.काम. I	प्रथम	खाद्य पोषण एवं स्वच्छता	बैंकिंग एवं फाइनेन्स	एक
	द्वितीय	प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य	बैंकिंग एवं फाइनेन्स	
बी.ए. / बी. एस. सी./ बी.काम. II	तृतीय	मानव मूल्य एवं पर्यावरण अध्ययन	योग प्रशिक्षक	एक
	चतुर्थ	शारीरिक शिक्षा एवं योग	योग प्रशिक्षक	
बी.ए. / बी. एस. सी./ बी.काम. III	पंचम	विश्लेषणात्मक योग्यता एवं डिजिटल अवेयरनेस		
	षष्टम	संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास		
बी.ए. / बी. एस. सी./ बी.काम. IV	सप्तम अष्टम	शोध सहित उपाधि		

माइनर विषय के चयन के सम्बन्ध में विशेष सूचना-

1-स्नातक छात्र/छात्राओं के लिए-कला संकाय के जो छात्र/छात्राएं भाषा संकाय का कोई भी विषय (हिन्दी, संस्कृत और अंग्रेजी) लिए हुए है वे छात्र/छात्राएं- समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान तथा इतिहास विषय में किसी एक का चयन माइनर के रूप में करेंगे। प्रथम सेमेस्टर में ही माइनर पढ़ना अनिवार्य है। यही विषय पुनः तृतीय सेमेस्टर में भी पढ़ सकते है। केवल प्रथम एवम् तृतीय सेमेस्टर में ही माइनर विषय पढ़ना है।

2- जिन छात्र/छात्राओं ने भाषा का कोई भी विषय नही लिया है, वे भाषा का कोई भी विषय माइनर के स्थान पर चुन सकते है।

3-वाणिज्य के छात्र/छात्राएं माइनर विषय के रूप में अर्थशास्त्र का चयन करेंगे।

4-विज्ञान संकाय के छात्र/छात्राएं हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी इतिहास, राजनीति शास्त्र तथा समाजशास्त्र में से कोई भी विषय चुन सकते है।

स्नातकोत्तर छात्र/छात्राओं के लिए-

स्नातकोत्तर छात्र/छात्रओं को प्रथम सेमेस्टर मे ही दूसरे संकाय से (जो प्रयोगात्मक न हो) माइनर का चयन करना है।

प्रवेश नियमावली

1. स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश इण्टरमीडिएट परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट से किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर /राज्य स्तर खिलाड़ी /एन0सी0सी0/ स्काउट-गाइड प्रमाण-पत्र धारक को अधिभार दिया जायेगा तथा आरक्षण शासनादेश के अनुरूप दिया जाएगा।
2. स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों को निर्धारित आवेदन-पत्र भरकर एवं फोटो पर अपना हस्ताक्षर करके हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट के अंक पत्रों /प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित छायाप्रति अन्तिम संस्था का स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र एवं चरित्र प्रमाण-पत्र (दोनों की मूल प्रति) संलग्न करके महाविद्यालय के कार्यालय में प्रवेश के समय जमा करना होगा। आवेदन पत्र जमा करने हेतु निर्धारित अन्तिम तिथि के बाद समस्त प्रवेशार्थियों के प्राप्तांकों की मेरिट बनाकर निर्धारित संख्या के अनुपात में कक्षावार प्रवेश सूची प्रकाशित की जाएगी। प्रवेश हेतु अर्ह छात्र/छात्राओं को प्रवेश के लिए निर्धारित अन्तिम तिथि में पूर्व हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट के मूल अंक पत्र / प्रमाण पत्र के साथ प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थित होना होगा।

आन्तरिक सतत् मूल्यांकन

परीक्षा आवेदन-पत्र भरने सम्बन्धी निर्देश

स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के निर्देशानुसार परीक्षा आवेदन-पत्र भरे जायेंगे ।

1. समस्त छात्र-छात्राओं को विश्व विद्यालय की वेबसाइट https//www.vbspu.as.in पर अपना पंजीकरण करना होगा।
2. पंजीकरण के उपरान्त प्राप्त लॉग इन आई-डी और पासवर्ड से निर्धारित समय पर परीक्षा फार्म ऑनलाइन भरना होगा।
3. भरे हुए परीक्षा फार्म का प्रिन्ट आउट महाविद्यालय में उपयुक्त काउन्टर पर जमा करना होगा।
4. सम्पूर्ण प्रक्रिया समय सीमा के अन्दर पूर्ण करना छात्र-छात्रा की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी।
5. सतत मूल्यांकन के क्रम में मध्यावधि परीक्षा प्रत्येक सत्र में सम्पन होगी ।
6. मूल्यांकन संबंधी आपत्ति हेतु प्रत्येक दशा में अगले सेमेस्टर की परीक्षा से पहले आवेदन करना होगा।
7. उत्तर पुस्तिका सत्रीय कार्य आदि से संबंधित अभिलेख एक ही सेमेस्टर तक सुरक्षित रखा जायेगा।

महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त सुविधाएँ

कम्प्यूटर सुविधाः महाविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से युक्त कम्प्यूटर लैब, कम्प्यूटर वर्क स्टेशन व लैंग्वेज लैब है। अल्प शुल्क पर एक साथ अलग अलग कम्प्यूटर पर लगभग 50 विद्यार्थियों को कम्प्यूटर जागरूकता हेतु प्रशिक्षण की व्यवस्था है। महाविद्यालय के सभी विभागों में कम्प्यूटर, प्रिंटर व इण्टरनेट ब्राडबैंड की सुविधा उपलब्ध है।

पुस्तकालयः महाविद्यालय में आधुनिकतम पुस्तकों से सुसज्जित एवं समृद्ध पुस्तकालय है। शब्दकोष, ज्ञानकोष, इनसाइक्लोपीडिया, समसामयिक एवं शोध पत्रिकाएँ, लघु शोध प्रबन्ध, शोध ग्रन्थ, प्राचीन ग्रन्थ आदि से सम्पन्न पुस्तकालय में लगभग 40,000 पुस्तकें हैं। प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत वृद्धि होती रहती है। विद्यार्थियों को अध्ययन एवं शोध कार्य हेतु पुस्तकें उपलब्ध करायी जाती है। पुस्तकालय में ई-लाइब्रेरी, जिसमें 1.20000 से अधिक पुस्तकें और 6000 से अधिक जर्नल्स उपलब्ध है।

विभागीय पुस्तकालय : महाविद्यालय में संचालित सभी विषयों में विभागीय पुस्तकालय की सुविधा भी है।

खेलकूद : महाविद्यालय में संस्थापक राजर्षि कुँवर श्रीपाल सिंह स्वयं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के मल्ल योद्धा रहे हैं, खेल-कूद में उनकी विशेष रूचि रही है तथा उनका दर्शन था कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है जिसे व्यवहारिक रूप देने हेतु उन्होंने महाविद्यालय में खेल-कूद की समुचित व्यवस्था की थी। राजर्षि के पौत्र वर्तमान प्रबंधक कुँवर जय सिंह की सक्रियता एवं सदाशयता के फलस्वरूप महाविद्यालय ने विगत वर्षो में अर्न्तविश्वविद्यालय एवं अन्तर्महाविद्यालय स्तर पर खेलकूद में सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया। हमारे यहाँ इनडोर तथा आउटडोर की लगभग सभी क्रीड़ा सामग्री है और खिलाड़ियों को कौशल विकास हेतु नियमित प्रेरित किया जाता है।

एन0सी0सी0 : महाविद्यालय में तीन वर्षीय एन0सी0सी0 प्रशिक्षण की व्यवस्था है जिसमें विद्यार्थियों को स्नातक प्रथम वर्ष में भर्ती किया जाता है। यहाँ के एन0सी0सी0 छात्र गणतंत्र दिवस परेड हेतु चयनित होते रहे हैं।

स्काउट/गाईडः महाविद्यालय में बी0एड0 छात्राध्यापकों के लिए स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण की व्यवस्था है।

रोवर्स रेंजर्सः महाविद्यालय में दो वर्षीय रोवर्स रेंजर्स प्रशिक्षण की व्यवस्था है जिसमें विद्यार्थियों को स्नातक प्रथम/द्वितीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में भर्ती किया जाता है।

योग प्रशिक्षणः बीएड व एम0एड0 पाठ्यक्रम में पाँच दिवसीय योग प्रशिक्षण की व्यवस्था है महाविद्यालय में राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय योग प्रशिक्षक प्रशिक्षण हेतु बुलाये जाते हैं।

एन0एस0एस0 महाविद्यालय में दो वर्षीय एन0एस0एस0 प्रशिक्षण की व्यवस्था है जिसमें विद्यार्थियों को स्नातक प्रथम/द्वितीय वर्ष में भर्ती किया जाता है।

वार्षिक पत्रिका : प्रतिभा

विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता की वृद्धि एवं प्रकाशन हेतु महाविद्यालय की स्थापना के समय से ही ''प्रतिभा'' पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है जिसमें महाविद्यालय के शिक्षकों की रचनाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं।

भाषा समाज विज्ञान एवं मानविकी, विज्ञान शिक्षा तथा वाणिज्य संकाय

महाविद्यालय में विद्यार्थियों की सांस्कृतिक गतिविधियों के विकास हेतु भाषा समाज विज्ञान एवं मानविकी वाणिज्य विज्ञान एवं शिक्षा संकाय में क्रमशः भाषा समाज विज्ञान मानविकी परिषद विज्ञान परिषद, वाणिज्य परिषद एवं शिक्षा परिषद का प्रति वर्ष गठन किया जाता है। इन परिषदों में पदाधिकारियों का चयन अध्ययनरत विद्यार्थियों के योग्यता भाषण के आधार पर किया जाता है। परिषदों का कार्य गोष्ठियों, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन करना है।

शुल्क मुक्ति

महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शुल्क मुक्ति की भी व्यवस्था है। गरीब एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की शुल्क मुक्ति की सिफारिश के लिए महाविद्यालय के प्राध्यापकों की कक्षावार समितियों का गठन किया जाता है। इस हेतु विद्यार्थियों को आवेदन करना होता है उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा भी निर्धारित मानकों पर शुल्क मुक्ति हेतु महाविद्यालय प्रशासन सक्रिय रहता है। विद्यार्थियों को इस सम्बन्ध में सूचना निर्धारित समय पर दी जाती है।

छात्रवृत्तियाँ

महाविद्यालय के प्रतिभाशाली सामान्य जाति, पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग के गरीब विद्यार्थियों के लिए भारत सरकार (यू0जी0सी0) एवं उ0प्र0 शासन द्वारा छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती है।

राजर्षि कुँवर श्रीपाल सिंह प्रतिभा प्रोत्साहन पुरस्कार

महाविद्यालय के संस्थापक राजर्षि कुँवर श्रीपाल सिंह की निर्वाण तिथि (18 दिसम्बर) के अवसर पर प्रतिवर्ष ''राजर्षि कुंवर श्रीपाल सिंह प्रतिभा प्रोत्साहन पुरस्कार'' प्रदान किया जाता है। पिछले सत्र में अपनी कक्षाओं में सर्वाधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों को अलग-अलग एवं खेलकूद में सम्मान जनक प्रदर्शन करने वाले महाविद्यालय के खिलाड़ियों को यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है तथा साथ में प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को (26 जनवरी) गणतन्त्र दिवस के कार्यक्रम में पुरस्कृत भी किया जाता है।

अनुशासन समिति

महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के अनुकूल परिवेश बनाये रखने हेतु एक अनुशासन समिति का गठन किया जाता है। इस समिति में मुख्य कुलानुशासक समेत सहायक कुलानुशासकों का एक दल होता है। विद्यार्थियों की परिचय-पत्र के फोटो पर मुख्य कुलानुशासक का सत्यापन / हस्ताक्षर होता है।

एण्टी रैगिंग सेल

रैगिंग के दुष्परिणाम को प्रतिबंधित करने, रोकने एवं समाप्त करने के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देश के अनुसार उच्चत्तर शिक्षण संस्थाओं में रैगिंग निषेध से सम्बन्धित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम 2009 का पालन करते हुए महाविद्यालय ने एण्टी रैगिंग सेल का गठन किया गया है।

छात्रावास

महाविद्यालय उ0प्र0 के दूरवर्ती जनपदों से ही नहीं अपितु अन्य प्रदेशों के विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते हैं जिनकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए छात्र व छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास की व्यवस्था है।

साइकिल /वाहन स्टैण्ड

महाविद्यालय में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की साइकिल, मोटर साइकिल या अन्य वाहन हेतु स्टैण्ड की व्यवस्था की गयी है।

बिजली, पेयजल एवं शौचालय सुविधा

महाविद्यालय की कक्षाओं में वर्ष भर पंखे एवं प्रकाश की व्यवस्था के लिए पर्यावरण के अनुकूल ध्वनि रहित जनरेटर की व्यवस्था की गयी है, साथ ही शुद्ध पेयजल के लिए नलकूप की व्यवस्था की गयी है। महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों के लिए शोधित जल (प्यूरीफाईड वाटर) के लिए चार बड़े संयंत्र लगे हैं। शौचालय सुविधा हेतु छात्र व छात्राओं के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गयी है। स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर छात्राओं के लिए अलग-अलग कामन रूम की व्यवस्था है। पुस्तकालय, स्टॉफ रूम, कार्यालय, बहुउद्देशीय हाल/सभागार तथा विभागों में भी फ्रिज, आर0 ओ0 तथा शौचालय की व्यवस्था है। स्वच्छता हेतु सफाई कर्मी नियमित कार्य करते हैं जिससे महाविद्यालय परिसर स्वच्छ बना रहता है।

महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त सुविधाएँ

1. प्रत्येक छात्र/छात्रा महाविद्यालय की वेबसाइट (www.rhsmpgcollege.org) पर अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से करेगा। पंजीकरण शुल्क रू. 100/- ऑन लाइन जमा करना होगा।पंजीकरण के बाद **छात्र /छात्रा अपना परिचय पत्र और चरित्र प्रमाण पत्र अनेकों बार निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं।**
2. प्रत्येक छात्र/छात्रा (स्नातक प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर अनिवार्य रूप से ABACUS U.P. पोर्टल (https://abacus.upsdc.gov.in) पर अपना विस्तृत विवरण अंकित करें। वेबसाइट पर जाकर स्टूडेन्ट लॉग इन के अन्तर्गत न्यू यूजर रजिस्ट्रेशन के द्वारा लॉग इन आईडी और पासवर्ड सृजित किया जा सकता है। छात्र/छात्रा द्वारा आर्जित क्रेडिट के रख- रखाव हेतु यह अनिवार्य है।
3. प्रत्येक छात्र / छात्रा नियमित रूप से महाविद्यालय की वेबसाइट का अवलोकन करें।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में डाटा अपडेट करना अनिवार्य है।

अनुशासन सम्बन्धी निर्देश

1. सभी विद्यार्थियों को महाविद्यालय प्रशासन द्वारा निर्धारित परिधान (ड्रेस कोड) में परिचय-पत्र के साथ प्रतिदिन (शैक्षणिक दिवसों में) महाविद्यालय में उपस्थित होना होगा।
2. साइकिल, मोटर साइकिल निर्धारित वाहन स्टैण्ड में खड़ी करनी होगी।
3. महाविद्यालय परिसर में धूम्रपान एवं तम्बाकू सेवन वर्जित है। विद्यार्थियों द्वारा दीवारों एवं ब्लैक बोर्ड पर कुछ भी लिखना अनुशासनहीनता मानी जायेगी।
4. कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों द्वारा कक्षा के भीतर मोबाइल फोन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित है। विद्यार्थियों से महाविद्यालय की गरिमा के अनुकूल व्यवहार की अपेक्षा की जाती है।
5. महाविद्यालय को स्वच्छ एवं साफ-सुथरा रखना सभी विद्यार्थियों की नैतिक जिम्मेदारी है।
6. रैगिंग गतिविधियों में शामिल न होने सम्बन्धी शपथ-पत्र विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावक को देना अनिवार्य है।
7. विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय के अनुशासन सम्बन्धी निर्देशों की अवहेलना करने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।
8. परिचय पत्र के फोटो पर मुख्य कुलानुशासक का हस्ताक्षर एवं मुहर अनिवार्य है इसके बाद ही परिचय-पत्र वैध होगा।
9. अनुशासन समिति के सदस्यों या किसी शिक्षक/कर्मचारी के निर्देश पर परिचय-पत्र दिखाना होगा।

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत्॥

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

द्वारा संचालित महाविद्यालय अध्ययन/संपर्क केन्द्र

कोड संख्या: S061

संचालित कार्यक्रम एवं विषय

CCSS, CCSS&Sc., BA, MA, BBA, MBA, BCA, MCA, B.COM. B.Sc., MSc.,CDM, BLIS, CHR, MJ, CCC, DHEN, DCDN, DECE DTS, DRD, DIIH, DIS, DIJV, CTS, CNF, CHFE, CWED, CCY CTEIM, CAC, CRJMC, CIP, CIET, CIJV, CIIH, CIS, CIRM, DIC DCOM, DIH, CCCIT, DIEV, CCP, CIEB, CPST, PGDCA, PGDSW PGDJMC, COF, DDT, DVAPFB, CPHT & VA., CCMAP, CLPS APDF, DYO, PGDYO

समन्वयक

प्रो0 इन्दु कुमार सिंह

9935236213

कार्यालय

श्री प्रभाकर सिंह

9451103309, 7906602076

ई-मेल : uprtourhscollege@gmail.com

मीडिया की नजर में महाविद्यालय

भास्कर टाइम्स24

स्वतंत्रता के बाद भारतीय विदेश नीति का रूपांतरण विषय पर महाविद्यालय में संगोष्ठी का हुआ आयोजन

Men's volleyball competition organized in college

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ समापन

सौर वायुमंडल में सूक्ष्म पैमाने पर तापन घटनाएँ विषय पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

स्थानीय (जौनपुर)। राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय में गणित और भौतिक विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित व्याख्यानमाला के अंतर्गत "सौर वायुमंडल में सूक्ष्म पैमाने पर तापन घटनाएँ" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं आमंत्रित अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करके किया गया। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये नासा में वरिष्ठ वैज्ञानिक रहे और कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ० संजीव तिवारी ने सौर भौतिकी के मूल सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराते हुए बताया कि हिनोड, एसडीओ और सोलर ऑर्बिटर जैसे उन्नत सौर दूरबीनों के साथ हाल ही में किए गए शोध अध्ययनों से सौर वायुमंडल में अनेक सौर विशेषताओं एवं सूक्ष्म पैमाने पर विस्फोटक घटनाओं की उपस्थिति का खुलासा हुआ है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म पैमाने के तापन की घटनाओं में डॉट-लाइक, जेट-लाइक और लूप-लाइक घटनाएं, सनस्पॉट में डॉट्स एवं जेट, सौर वायुमंडल में कैम्पफायर आदि ऐसे क्षेत्र हैं जो वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में सौर भौतिकी में शोध की अनंत संभावनाएं और अवसर प्रदान करता है। इस अवसर मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह ने कहा कि हमारे लिए गर्व का विषय है कि हमारी पहुँच नासा तक है। कार्यक्रम का सफल संचालन भौतिक विज्ञान विभाग में असि० प्रोफेसर सर्वेश कुमार दुबे ने किया और आभार ज्ञापन भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ० श्याम बाबू द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर गणित विभाग के डॉ० भूपेश प्रताप सिंह एवं धीरज शुक्ला सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र और छात्राएं मौजूद रहे।

अमर उजाला www.amarujala.com

पुरा छात्रों ने साझा की सफलता की कहानी

राजा हरपाल सिंह पीजी कॉलेज में हुआ पुरातन छात्र सम्मेलन

राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय में पुरातन छात्रों को सम्मानित करते प्राचार्य।

राजर्षि कुँवर श्रीपाल सिंह की पुण्यतिथि पर वार्षिक पत्रिका 'प्रतिभा' का विमोचन

भास्कर टाइम्स24

सिंगरामऊ। राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय के संस्थापक रहे राजर्षि कुँवर श्रीपाल सिंह जी की 15वीं पुण्यतिथि सोमवार को श्रद्धांजलि समारोह के रूप में मनाई गई। इस मौके पर विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबन्धक कुँवर जय सिंह एवं प्राचार्य प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह सहित कालेज के शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा कर्मचारियों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उक्त अवसर पर मंचासीन अतिथियों के द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'प्रतिभा' का विमोचन किया गया। प्रबंधक और प्राचार्य ने पत्रिका के संपादक डॉ.रवीन्द्र कुमार सिंह को हार्दिक धन्यवाद एवं शुभकामनाएं देते हुये कहा कि विद्यार्थियों के मौलिक चिंतन, स्वतंत्र अभिव्यक्ति तथा सत्यान्वेषी प्रेरणा के संवर्धन हेतु वार्षिक पत्रिका 'प्रतिभा' का सफल प्रकाशन महाविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धि है। महाविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा डॉ.योगेश कुमार के निर्देशन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत लघु नाटक 'वृद्धा आश्रम' प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ.अवनी कुमार मिश्र ने और धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर जय कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्रो.सुधीर कुमार सिंह, प्रो.इन्दु प्रकाश सिंह, डॉ.राजेश सिंह, डॉ.बृजेश प्रताप सिंह, डॉ.मनोज सिंह, डॉ.सीमा सिंह,डॉ.अनुभा शुक्ला सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

भास्कर टाइम्स24

महाविद्यालय के बड़े बाबू को सेवानिवृत होने पर दी भावभीनी विदाई

सिंगरामऊ। स्थानीय राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय में बड़े बाबू के पद पर कार्यरत के.के. सिंह का कार्यकाल समाप्त हो गया। उनके सेवानिवृत्त होने पर बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान वक्ताओ ने सेवानिवृत्त बड़े बाबू के कार्यकाल की प्रसंशा करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दिया। इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रो. अरुण सिंह ने कहा कि

बड़े बाबू केके सिंह का कार्यकाल बहुत ही सराहनीय और यादगार रहा। जिस दिन कोई भी कर्मचारी नौकरी करता उसका उसी दिन बिदाई सुनिश्चित हो जाता है। बड़े बाबू का कार्यकाल बहुत ही सराहनीय और यादगार रहा। आपके अनुभव की जरूरत हमेशा लोगो को पड़ती रहेगी। कार्यक्रम के अंत में उपहार देकर महाविद्यालय के कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दिया।

सी भारत

ADVERTISEMENT

महाविद्यालय में अंतर्विभागीय व्याख्यानमाला के अंतर्गत संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

भास्कर टाइम्स24

बलिदान दिवस पर महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने किया रक्तदान

बदलापुर। राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय सिंगरामऊ और ठाकुरबाड़ी महिला विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान दिवस पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन शनिवार, 23 मार्च शनिवार को किया गया। जिला चिकित्सालय जौनपुर में आयोजित इस स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने रक्तदान करके "रक्तदान महादान" की परिकल्पना को फलीभूत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रतिनिधि एवं एनसीसी प्रभारी कैप्टन सत्य प्रकाश सिंह, ठाकुरबाड़ी महिला विकास संस्था की प्रमुख डॉ०अंजू सिंह, डॉ०रजनीश त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट्स और रक्तदाता उपस्थित रहे।

प्रयोगवाद और अज्ञेय विषय पर महाविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

सिंगरामऊ (जौनपुर)। अज्ञेय जयंती के अवसर पर बृहस्पतिवार को राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय सिंगरामऊ में हिन्दी-विभाग द्वारा 'प्रयोगवाद और अज्ञेय' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना और अज्ञेय के चित्र पर माल्यार्पण से किया गया। डॉ.अजय कुमार दुबे ने अज्ञेय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर बात करते हुए अज्ञेय नाम के पीछे की कहानी को साझा किया। डॉ.रवीन्द्र कुमार सिंह प्रभारी-हिन्दी-विभाग ने प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, तारसप्तक और शब्द में निहित विचार को साझा करते हुए कहा कि अज्ञेय व्यक्ति और समाज में व्यक्ति की सत्ता को ज्यादा महत्व देते हैं, या यूँ कहें वे समष्टि-केन्द्रित चेतना से युक्त व्यक्तिवादिता में ही व्यक्ति और समाज का हित देखते हैं। अतिथि वक्ता प्रोफेसर जय कुमार मिश्र ने महत्वपूर्ण कविता 'असाध्य-वीणा' के माध्यम से अज्ञेय को समझने का सफल प्रयास किया। कार्यक्रम का सफल संचालन रमेश कुमार यादव ने किया। उक्त अवसर पर डॉ.आनन्द कुमार सिंह, डॉ.गिरीश मणि त्रिपाठी, डॉ.पतिराम यादव सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्राएं मौजूद रहे।